राष्ट्रवाणी

दि फ़र्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड की राजभाषा पत्रिका

❖

दि फ़र्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड के लिए और इसकी ओर से आंतरिक वितरण के लिए प्रकाशित

❖

लेखों में दिए तथ्यों की शुद्धता का दायित्व स्वयं लेखकों का ही है।

प्रबंधन

हिन्दी विभाग

संपादक

ई.के. वल्सलाकुमारी
उप मुख्य प्रबंधक (हिन्दी)

पत्रव्यवहार का पताः

हिंदी विभाग, मुख्यालय

दि फ़र्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड, उद्योगमंडल - 683 501, केरल
फोनः (0484) 2553628, 2553636
ईमेलः hindi@factltd.com

मुखचित्र

राजभाषा सम्मेलन - **2009**

(जुलाई - सितंबर 2009)

संपादकीय

राष्ट्रवाणी का विशेषांक आपके सामने प्रस्तुत है। हिंदी को राजभाषा के रूप में संवैधानिक स्थान दिए गए एक दीर्घ अवधि बीत चुकी है। हिंदी के प्रयोग में प्रारंभ में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पडेगा। उनको दूर किया जा सकता है। क्योंकि राजभाषा सीधी सरल सुगम अभिव्यक्ति को ही प्रमुखता देती है। इस अवसर पर सब कर्मचारी यह संकल्प लें कि वे कार्यालय का अधिकतम कार्य हिंदी में ही करेंगे तो राजभाषा हिंदी का प्रयोग स्वतः ही बढता जाएगा। हम सब को हिंदी में काम करने की आदत डालनी होगी।

वास्तव में किसी भी संगठन की पत्रिकाएं उनके अपने आइने होते हैं। उसमें प्रतिबिंबित रूप को सजना-संवारना अपना अपना कर्तव्य है। हम प्रगति की ओर जा रहे हैं - चाहे उत्पादन के क्षेत्र हो, विपणन या हिंदी के कार्यान्वयन हो हम प्रगति हासिल करके ही रहेंगे - इस विचार पर हम आगे बढ रहे हैं। राजभाषा पत्रिका 'राष्ट्रवाणी' का अद्यतन अंक **राजभाषा सम्मेलन/हिंदी पखवाडा 2009 का विशेषांक** के रूप में आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। राजभाषा सम्मेलन बडे धूम धाम से मनाया गया। रिपोर्ट इस अंक में दी गई है। हिंदी पखवाडा 2009 भी 14 सितंबर से 25 सितंबर तक 12 प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ संपन्न हुआ।

इस अंक में हिंदी की प्रगति और प्रसार के लिए एरणाकुलम राजस्व जिले के अधीन के हाईस्कूल (राज्य पाठ्यक्रम) के छात्रों के लिए तथा एलूर ग्राम पंचायत एल.पी. स्कूल के छात्रों के लिए आयोजित प्रतियोगिता की रिपोर्ट भी दी जा रही है। एफ ए सी टी के कर्मचारियों द्वारा लिखी गई रचनाओं (कविता/कहानी/लेख) से युक्त "फेक्ट -बढते कदम" नामक संकलन आपके समक्ष नवंबर महीने में ही प्रस्तुत किया जाएगा। अनुरोध करती हूं कि आप कृपया हमारे इस प्रयास को स्वीकार करें।

ई.के. वल्सलाकुमारी
उप मुख्य प्रबंधक (हिंदी)